खोल ख़ज़ाने बैठी मैया | By Shivangi Bhatia

खोल ख़ज़ाने बैठी रे मैया लुटा रही भण्डार
मेरी शेरोवाली के जैसा नहीं होगा कोई दिलदार

ये देखे सबको एक नज़र
नहीं भेद भाव ये करती है
है भाव की भूखी मैया मेरी
झोली खुशियों से भारती है
जोड़ती दिल से दिल का नाता
बांटे सबको प्यार
मेरी शेरोवाली के जैसा नहीं होगा कोई दिलदार

ते सुनती है सबके दिल की
बिगड़ी सबकी ये बनाती है
जिस पर कृपा माँ की होती
किस्मत उसकी खुल जाती है
जगदम्बे माँ आद भवानी तू सच्ची सरकार
मेरी शेरोवाली के जैसा नहीं होगा कोई दिलदार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%b2-%e0%a4%96%e0%a4%bc%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-shivangi-bhatia/